



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 336]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 13, 1983/भाद्र 22, 1905

No. 336]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 13, 1983/BHADRA 22, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 मितम्बर, 1983

सा.का.मि. 698(अ).—नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे
केन्द्रीय सरकार, पैट्रोलियम अधिनियम, 1934 (1934 का 30)
की धारा 4 और धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा 29 की उपधारा (2) की
अपेक्षाानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित
किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है।
इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधि-
सूचना के जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से 45 दिन
की अवधि की समाप्ति को या उसके पश्चात् विचार किया
जाएगा।

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि
की समाप्ति से पहले उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त
होंगे केन्द्रीय सरकार विचार करेगी। ऐसे आक्षेप/सुझाव मुख्य
विस्फोटक नियंत्रक ओल्ड हाई कोर्ट बिल्डिंग, मिनिस्टर लाइन्स,
नागपुर-1 को इस मंत्रालय को सूचना देते हुए भेजे जाएंगे।

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम कैलिमयम
कार्बाइड नियम, 1983 है।

2. परिभाषाएँ :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से
अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) “अधिनियम” से पैट्रोलियम अधिनियम, 1934
(1934 का 30) अभिप्रेत है ;

(ख) “कार्बाइड” से कैलिमयम कार्बाइड अभिप्रेत है ;

(ग) “मुख्य नियंत्रक” से मुख्य विस्फोटक नियंत्रक अभि-
प्रेत है ;

(घ) “पत्तन संरक्षक” के अंतर्गत भारतीय पत्तन अधि-
नियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 7 के अधीन
पत्तन संरक्षक के रूप में नियुक्त, अधिकारी या
व्यक्तियों के निकाय के प्राधिकार के अधीन कार्य
करने वाला कोई व्यक्ति है ;

(ङ) “विस्फोटक नियंत्रक” के अंतर्गत संयुक्त मुख्य
विस्फोटक नियंत्रक, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक
और उप विस्फोटक नियंत्रक है ;

(ब) "जिला प्राधिकारी" से अभिप्रेत है —

(क) किसी ऐसे नगर में जहाँ पुलिस आयुक्त है, पुलिस आयुक्त या पुलिस उप आयुक्त; और

(ख) किसी अन्य स्थान में, जिला मजिस्ट्रेट,

(छ) "जिला मजिस्ट्रेट" के अंतर्गत अपर जिला मजिस्ट्रेट है तथा इसके अंतर्गत पंजाब और हरियाणा राज्य में और पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के कारीकल, माही और यनम क्षेत्रों में उप-खण्ड मजिस्ट्रेट भी है ;

(ज) "प्ररूप" से ऐसा प्ररूप अभिप्रेत है जो दूसरी अनुसूची में दिया गया है ;

(झ) "निरीक्षक" से अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (1) के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी अभिप्रेत है ।

(ञ) "विहित पात्र" से ऐसा पात्र अभिप्रेत है —

(1) जो धातु से बनाया जाता है किन्तु उसके भस्मि-श्रण में कोई तांबा नहीं है ;

(2) जो सभी समयों पर इस प्रकार बंद रखा जाता है कि उसमें वायु प्रवेश न कर सके किन्तु जब कि उसकी अन्तर्वस्तुएं उसके भीतर रखी जाती है या उसमें से निकाली जाती है ; और

(3) उस पर एक स्टाम्पित, समझूत, पेंट की हुई या मंत्रित चोतावनी हो जिसमें "कैल्सियम कार्बाइड-खतरनाक यदि उसे क्षणिक रूप में न रखा जाए" शब्द और निम्नलिखित चोतावनी महजबूज लिपि में प्रदर्शित की जाएगी :—
"इस पैकेज की अंतर्वस्तु में से, यदि वह नमी के संपर्क में लाई जाए तो, अति ज्वलनशील गैस निकल सकती है" ;

(ट) "नमूना अधिकारी" से अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी अभिप्रेत है ।

अध्याय 2

साधारण उपबन्ध

3 कार्बाइड का विहित पात्रों में पैक किया जाता —

कार्बाइड का आयात, परिवहन या भंडारकरण तभी किया जाएगा जब वह विहित पात्रों में पैक किया गया है

परन्तु मुख्य नियंत्रक विहित पात्रों से भिन्न किसी पात्र की अनुज्ञा दे सकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसे पात्र का प्रयोग किसी असम्यक् परिमंकट में डाले बिना किया जा सकता है ।

4 कार्बाइड के परिदान और प्रेषण के संबंध में निर्बन्धन—
कोई भी व्यक्ति भंडारकरण अनुज्ञापन के धारक या उसके प्राधिकृत अधिकारी या पत्तन प्राधिकारी या रेल प्रशासन से भिन्न किसी व्यक्ति को कार्बाइड का परिदान या प्रेषण नहीं करेगा ।

परन्तु इस नियम की कोई भी बात किसी व्यक्ति को कार्बाइड के ऐसी मात्राओं में परिदान या प्रेषण को लागू नहीं होगी जो नियम 26 द्वारा, बिना किसी अनुज्ञापन के, भंडारकरण के लिए अनुज्ञात है ।

5 जल से संपर्क के विरुद्ध पूर्वावधानियां—

कार्बाइड के जल से संपर्क में आने को रोकने के लिए और जहां ऐसा संपर्क हो जाता है वहां गैस के ज्वलन को रोकने के लिए प्रत्येक व्यक्ति युक्त पूर्वावधानी बरती जाएगी ।

6. यदि कार्बाइड आद्र हो जाता है तो उसका व्यवहन—

यदि कोई कार्बाइड आद्र हो जाता है तो वह गहरे जल में डुबो कर नष्ट कर दिया जाएगा । यदि गहरा जल उपलब्ध नहीं है तो आद्र कार्बाइड किसी एकल स्थान में ढेरकर दिया जाएगा और जब तक ऐसी सामग्री में से सभी गैस नहीं निकल जाती है तब तक किसी अग्नि या कृत्रिम प्रकाश या वस्तु को जो एमीटिलीन को ज्वलित कर सकती है, उसके समीप आने से रोकने के लिए सभी पूर्वावधानियां बरती जाएंगी ।

टिप्पण—यह तथ्य कि कार्बाइड, आद्र हो गया है, इस के बाहरी आकार पर और सम्भवतया अस्थिर गंध द्वारा जिसमें से गैस निकलती हुई दर्शित की गई हो, उपदर्शित किया जाएगा ।

7. बालक और मत्त व्यक्ति—

कोई भी व्यक्ति—

(1) 18 वर्ष से कम आयु के किसी बालक को ; या

(2) किसी ऐसे व्यक्ति को जो मत्तता की हालत में है, —

(क) कार्बाइड को लादने-उतारने या परिवहन के प्रयोजन के लिए, या

(ख) इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्त किसी परिसर में प्रवेश करने के लिए,

नियोजित नहीं करेगा या ऐसा अनुज्ञात नहीं करेगा ।

8. धूम्रपान, अग्नि और प्रकाश का प्रतिषेध—

कोई भी व्यक्ति धूम्रपान नहीं करेगा और कोई अग्नि, कृत्रिम प्रकाश या वस्तु जो एमीटिलीन को ज्वलित कर सकती है, —

(क) किसी भी समय ऐसे स्थान के भीतर या उसके समीप जहां कार्बाइड का भंडारकरण किया जाता है,

(ख) कार्बाइड का परिवहन करने वाले यान या जलयान के समीप,

अनुज्ञात नहीं की जाएगी ।

अध्याय 3

कार्बाइड का आयात

भाग 1—साधारण

9 कार्बाइड के आयात के लिए अनुज्ञापन—कार्बाइड का जो ऐसी मात्रा में आयात किया जाता है जो नियम 26 के अधीन किसी अनुज्ञापन के बिना कब्जे में रखा जा सकता है, इन नियमों के अधीन ही अनुज्ञापन के अधीन ही आयात किया जाएगा, अन्यथा नहीं ।

भाग 2

समृद्ध मार्ग द्वारा आयात

10. आयात का पत्तन—

कार्बाइड का निम्नलिखित पत्तनों पर ही आयात किया जाएगा, अन्यथा नहीं, अर्थात्:—

मुम्बई	कांडल
कलकत्ता	मद्रास
कोचीन	मंगलौर
तूतीकोरिन	पोर्ट ब्लेयर
	विशाला पत्तनम् ।

11. पत्तन में मास्टर या अभिकर्ता का कर्तव्य—

(1) ऐसे प्रत्येक जलयान का जो किसी पत्तन में आया है और कार्बाइड का वहन करता है, मास्टर या उसके स्वामी का अभिकर्ता, पत्तन में प्रवेश करने पर और किसी स्थोरा को उतारने से पहले, सीमा-शुल्क कलक्टर को और साथ ही पत्तन संरक्षक को, उसके द्वारा वहन किए जाने वाले कार्बाइड की मात्रा और उसके वर्णन की लिखित में घोषणा करेगा ।

(2) मास्टर, जलयान में ऐसे स्थान पर लंगर डालेगा जो पत्तन संरक्षक निर्दिष्ट करे और जब कोई कार्बाइड उसके फलक पर रहता है तब मास्टर, समृद्ध की ओर अग्रसर होने के प्रयोजन के सिवाय, पत्तन संरक्षक की लिखित अनुज्ञा के बिना जलयान को नहीं हटाएगा ।

(3) मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि पत्तन में कार्बाइड लाने वाले प्रत्येक जलयान का पेटा, पत्तन में जलयान के प्रवेश के समय से फलक पर से सभी कार्बाइड को उतारे जाने तक या पत्तन से जलयान के जाने तक, दक्षतापूर्वक संवाहित किया जाए ।

12. श्रुटियुक्त पात्र—सीमाशुल्क कलक्टर यह अपेक्षा कर सकेगा कि कार्बाइड अंतर्विष्ट करने वाला कोई ऐसा पात्र जो नियम 3 की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है या तो श्रुटियुक्त है, परीषदी को कोई प्रतिकर दिए बिना, पत्तन संरक्षक के निवेश के अधीन गहरे जल में डुबो दिया जाए ।

13. निरीक्षण अधिकारी को दी जाने वाली प्रसूविधाएँ—

पत्तन में किसी ऐसे जलयान का जिसके फलक पर कार्बाइड है, मास्टर या उसके स्वामी का अभिकर्ता, जब सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा या पत्तन संरक्षक द्वारा या निरीक्षण या नमूना अधिकारी द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए तब, अपने नियंत्रण में का और उसके फलक पर का सभी कार्बाइड ऐसे अधिकारी को दिखाएगा और ऐसे कार्बाइड का निरीक्षण करने के लिए ऐसे अधिकारी का समर्थ बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्तिगत प्रसूविधा देगा ताकि यह अभि-निर्दिष्ट किया जा सके कि क्या इन नियमों के उल्लंघनों का सम्यक् रूप से अनुपालन किया गया है या नहीं और यदि ऐसा अधिकारी ऐसी वांछा करे तो उसे निःशुल्क नमूने लेने के लिए प्रत्येक व्यक्तिगत प्रसूविधा देगा ।

14. कार्बाइड का उतारा जाना—

(1) कार्बाइड केवल सीमाशुल्क कलक्टर की अनुज्ञा से और ऐसे स्थान या स्थानों पर उतारा जाएगा जो पत्तन संरक्षक निविष्ट करे ।

(2) कार्बाइड सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच ही उतारा जाएगा ।

15. उतारे जाने के पश्चात् हटाया जाना—

किसी जलयान से उतारा गया सभी कार्बाइड किसी अनुज्ञप्त परिसर को अनावश्यक बिलंब के बिना हटाया जाएगा और यदि उसका जलमार्ग द्वारा प्रवहण किया जाता है तो उसका किसी ऐसे खूले बार्ज में से प्रवहण किया जाएगा जिसके बारे में संरक्षक द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि वह कार्बाइड के प्रवहण के लिए उपयुक्त है ।

16. पत्तन पर भंडारकरण—नियम 15 में किसी बात में होने हुए भी, कार्बाइड का, यदि वह पत्तन में तरत हटाया नहीं जा सकता है तो, ऐसे पथक गोदाम में जो अन्य भवनों से दूर हो, भंडारकरण किया जा सकेगा ।

भाग 3

भूमिमार्ग द्वारा आयात

17. भूमि मार्ग द्वारा आयात—

कोई भी व्यक्ति प्रत्येक मामले में केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से और ऐसी शर्तों और निर्बंधनों के अधीन ही जो वह मुख्य नियंत्रक से परामर्श कर के अधिरोपित करे, भूमि मार्ग द्वारा कार्बाइड का आयात करेगा, अन्यथा नहीं ।

भाग 4

वायु मार्ग द्वारा आयात

18. वायु मार्ग द्वारा आयात—कार्बाइड का प्रत्येक मामले में केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से और ऐसी शर्तों और निर्बंधनों के अधीन और ऐसी शर्तों का संवाय किए जाने पर ही जो वह अधिरोपित करे, और ऐसी मात्रा में और रीति से ही जो सिविल विमानन के महानिदेशक द्वारा अनुज्ञा की जाए, वायु-मार्ग द्वारा आयात किया जाएगा, अन्यथा नहीं ।

अध्याय 4

कार्बाइड का परिवहन

19. पांच किलोग्राम से अधिक मात्रा में परिवहन—ऐसा कार्बाइड जिसका पांच किलोग्राम से अधिक मात्रा में परिवहन किया जाता है, विहित पात्रों में पैक किया जाएगा जिनमें से प्रत्येक में एक किलोग्राम से अधिक कार्बाइड नहीं होगा ।

20. पांच किलोग्राम से अधिक मात्रा में परिवहन—पांच किलोग्राम से अधिक मात्रा में कार्बाइड का निम्नलिखित शर्तों के अधीन ही परिवहन किया जाएगा, अन्यथा नहीं :—

(क) कार्बाइड का विहित पात्रों में वहन किया जाएगा जिनमें से किसी की भी 100 किलोग्राम कार्बाइड से अधिक कार्बाइड को अंतर्विष्ट करने की क्षमता नहीं होगी; और

(ख) कार्बाइड को अभिवहन के दौरान किसी भी समय ऐसे भवन से भिन्न किसी भवन में भंडार नहीं किया जाएगा जो इन नियमों के अधीन कार्बाइड के भंडारकरण के लिए अमंजब है ;

परन्तु मुख्य नियंत्रक, 100 किलोग्राम से अधिक कार्बाइड को अंतर्विष्ट करने की क्षमता वाले ऐसे पात्रों में कार्बाइड का परिवहन अनुज्ञात कर सकेगा जो उसके द्वारा इस प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्टता अनुमोदित किए जाएं और वह ऐसी शर्तों के अधीन होगा जो वह इस निमित्त विहित करे ,

परन्तु यह और कि इस प्रकार परिवहन किया गया कार्बाइड किसी एसीटिलीन जनरेटर में सीधे चार्ज किए जाने के लिए आशयित है न कि किसी अन्य पात्र में पुनः पैकिंग के लिए ।

21. रेल या सड़क मार्ग द्वारा परिवहन :—(1) कार्बाइड का, जब वह परिवहन के लिए रेल प्रशासन या किसी सड़क परिवहन अभिकर्ता की अभिरक्षा में है तब, किसी अन्य सामग्री के साथ किसी माल-शेड में भंडारकरण नहीं किया जाएगा किन्तु वह जलसह शीटों के नीचे खुले में रखा जाएगा और वह इस प्रकार रखा जाएगा कि कोई ऐसा पात्र जिसमें वह अंतर्विष्ट है, आद्र न हो ।

(2) सभी अग्नि या कृत्रिम प्रकाश या सामग्री जो एसीटिलीन को ज्वलित कर सकती है, उपनियम (1) में उपबंधित रीति में रखे गए कार्बाइड से दूर रखी जाएंगी ।

22. सवारी गाड़ी द्वारा परिवहन—जहां कार्बाइड का सवारी गाड़ी द्वारा परिवहन किया जाता है वहां —

- (1) किसी गाड़ी द्वारा वहन की जाने वाली मात्रा 250 किलोग्राम से अधिक नहीं होगी ;
- (2) कार्बाइड का गाड़ी के ब्रैक यान में वहन किया जाएगा ;
- (3) कोई भी खुली लैम्प या अन्य कृत्रिम प्रकाश जो ज्वलनशील गैस को ज्वलित कर सकता है, कार्बाइड अंतर्विष्ट करने वाले यान में नहीं ले जाया जाएगा ; और
- (4) यान अच्छी तरह से संवाहित किया जाएगा और जहां तक संभव हो सके जलरोधी होगा ।

23. जल मार्ग द्वारा परिवहन :—जहां कार्बाइड का जल मार्ग द्वारा प्रवहन किया जाता है वहां वह वाणिज्य पोत खतरनाक माल वहन नियम, 1978 में अंतर्विष्ट विनियमों के अनुसार पैक किया जाएगा और उसका भंडारकरण किया जाएगा ।

24. वायु मार्ग द्वारा परिवहन :—कार्बाइड का ऐसी मात्रा में और ऐसी रीति से वायु मार्ग द्वारा परिवहन किया जा सकेगा जो सिविल विमानन के महानिदेशक द्वारा अनुज्ञात की जाए ।

अध्याय 3

कार्बाइड का भंडारकरण

25. कार्बाइड का शब्दप्रायः होना—कोई भी कार्बाइड किसी अनुज्ञापित सहित या उसके बिना किसी स्थान पर नहीं रखा जाएगा जब तक कि वह “शब्दप्रायः” नहीं है अर्थात् जब तक

कि उसमें ऐसे अपद्रव्य नहीं हैं जो, अकेले से या वायु के अभिमिश्रण से ऐसी गैस उत्पन्न कर सकते हैं जो स्वतः ज्वलित हो सकती है ।

26. भंडारकरण के लिए अनुज्ञापित—कोई भी व्यक्ति किसी कार्बाइड का इन नियमों के अधीन दी गई अनुज्ञापित के अधीन ही भंडारकरण करेगा, अन्यथा नहीं

परन्तु कार्बाइड के भंडारकरण के लिए अनुज्ञापित की निम्नलिखित दशाओं में अपेक्षा नहीं की जाएगी —

(क) जब वह पांच किलोग्राम से अनधिक मात्रा में है यदि वह विहित पात्रों में रखी जाती है जिनमें प्रत्येक में एक किलोग्राम से अधिक कार्बाइड नहीं है ,

(ख) जब वह पांच किलोग्राम से अधिक मात्रा में है किन्तु दो सौ किलोग्राम से अधिक नहीं है जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा , अर्थात् —

(1) ऐसे पात्रों का किसी झुंक और अच्छी तरह से वाहित शेड में भंडारकरण किया जाएगा जो भवन का भाग हो सकेगा या उससे संलग्न हो सकेगा ; परन्तु यह तब जब कि वह किसी पर्याप्त दीवार द्वारा उससे अलग किया गया है और उस तक पहुंचने के साधन केवल बाह्य वायु से हैं ;

(2) अप्राधिकृत व्यक्तियों को पात्रों तक पहुंचने से रोकने के लिए सम्यक् पूर्वविधानियां धरती जाएंगी ।

(3) पात्र अच्छी तरह से बंद रखे जाएंगे सिवाय तब जब कि उनमें कार्बाइड निकाला जाए ;

(ग) जब वह अस्थायी रूप से ऐसी शर्तों के अधीन पत्तन सीमाओं के भीतर है जो पत्तन संरक्षक विनिर्दिष्ट करे ;

(घ) जब वह रेल प्रशासन या सड़क परिवहन अभिकर्ता की अभिरक्षा के अधीन अभिवहन में है ;

(ङ) जब वह सड़क के रक्षा बलों के नियंत्रण में है ।

27. अनुज्ञापित भंडारकरण-शेड से सुरक्षा दूरी का अनुपालन करना आवश्यक—

(क) कार्बाइड का भंडारकरण—

(क) यदि वह कुल मिलाकर 200 किलोग्राम से अधिक किन्तु 500 किलोग्राम से अनधिक मात्रा में है तो, किसी अन्य परिसर से कम से कम 3 मीटर दूर किसी ऐसे उपयुक्त भवन में किया जाएगा जिसमें कोई मानव निवास नहीं करता है ;

(ख) यदि वह कुल मिलाकर 500 किलोग्राम से अधिक किन्तु 5000 किलोग्राम से अनधिक मात्रा में है तो, किसी अन्य परिसर से कम से कम 6 मीटर दूर किसी ऐसे उपयुक्त भवन में किया जाएगा जिसमें कोई मानव निवास नहीं करती है ;

(ग) यदि वह कुल मिलाकर 5000 किलोग्राम से अधिक मात्रा में है तो, किसी अन्य परिसर

से कम से कम 9 मीटर दूर और किसी सड़क से कम से कम 6 मीटर दूर किसी ऐसे उपयुक्त भवन में किया जाएगा जिसमें कोई मानव निवास नहीं करता है।

- (2) किसी एक भवन में 1000 टन से अधिक कार्बाइड का भंडारकरण नहीं किया जाएगा : परन्तु यह तब जब कि उस भवन के किसी एक कमरे या अन्य भाग में 250 टन से अधिक कैल्शियम कार्बाइड का भंडारकरण नहीं किया जाता है।
- (3) कोई कार्बाइड भंडारकरण-शेड भी एंसेटिलीन संयंत्र का भाग हो सकता है : परन्तु यह तब जबकि वह संयंत्र के अन्य भागों से पर्याप्त दीवार द्वारा अलग किया जाता है और गपूर्ण भवन के संबंध में जिसके अंतर्गत कार्बाइड भंडारकरण-शेड है, किसी अन्य परिसर में 15 मीटर और किसी आम रास्ते से 9 मीटर की सुरक्षा दूरी का अनुपालन किया जाता है।

28. भंडारकरण परिसरों का सन्निर्माण—

- (1) कार्बाइड के भंडारकरण के लिए प्रत्येक परिसर—

- (क) का अज्वलनशील सामग्री से सन्निर्माण किया जाएगा जिसमें सीमेंट का फर्श आसपास की भूमि की सतह से कम से कम 30 सें.मी ऊंचा होगा ;
- (ख) अनुज्ञापन प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में छत और फर्श दोनों के पास अच्छी तरह से बांतिज होगा। रोशनदानों के द्वार जस्तदार लोहे या अन्य असंभारक धातु के तार की गंज की जिसमें ताकत नहीं होगा और 11 प्रतिलाइ-नियर सें.मी. से अन्यून जाली की दो परतों से ढका होगा।
- (ग) जलरोधी होगा।
- (घ) पर्याप्त क्षमता वाला होगा ताकि उसमें, ढेर के चारों ओर कम से कम 60 सें.मी. मार्ग-विधि की जगह छोड़ते हुए, भंडारकरण की जाने वाली कार्बाइड की मात्रा को स्वभा-पूर्वक रखा जा सकेगा।

टिप्पण :— कार्बाइड के भंडारकरण के लिए फर्श के क्षेत्र की गणना 3 एस क्यू एम/टन की दर से की जाएगी : परन्तु ढेर की ऊंचाई 3 मीटर तक सीमित होगी।

29. भंडारकरण परिसरों में प्रबंध—कार्बाइड के पात्रों का, रैको या क्षेत्रों पर, अथवा भंडारकरण परिसरों के भीतर फर्श की सतह से कम से कम 30 सें.मी. ऊपर बनाए गए प्लेटफार्म पर स्वच्छतापूर्वक ढेर लगाया जाएगा।

अध्याय 6

अनुज्ञप्तियां

30. अनुज्ञप्ति का अनुदत्त किया जाना :—इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्तियां, पहली अनुमृत्ती में उल्लिखित अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा, इस प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट प्ररूपों में और उनमें विनिर्दिष्ट फीस का संदाय किए जाने पर अनुदत्त की जा सकेंगी।

31. वह अवधि जिसके लिए अनुज्ञप्तियां अनुदत्त या नवीकृत की जा सकेंगी—

- (1) इन नियमों के अधीन अनुदत्त या नवीकृत प्रत्येक अनुज्ञप्ति वर्ष के 31 दिसम्बर तक जिस तक अनुज्ञप्ति अनुदत्त या नवीकृत की जाती है, जो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक हो सकेंगी, प्रदत्त रहेगी।
- (2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, जहां अनुज्ञापन प्राधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञप्ति किसी ऐसे विनिर्दिष्ट कार्य या उत्सव के लिए अपेक्षित है जिसके, वर्ष के ऐसे 31 दिसम्बर तक समाप्त होने की संभावना नहीं है जिसके लिए अनुज्ञापन अनुदत्त या नवीकृत की जाती है वहां वह ऐसी अवधि के लिए जो वास्तव में अवश्य है, अनुज्ञप्ति को अनुदत्त या नवीकृत कर सकेंगा।

32. अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन—ऐसा व्यक्ति जो इन नियमों के अधीन कोई अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करना, उसका संशोधन या नवीकरण कराना चाहता है ऐसी अनुज्ञप्ति अनुदत्त करने के लिए संशक्त प्राधिकारी को प्ररूप-1 में आवेदन प्रस्तुत करेगा।

33. अनुज्ञप्ति की विशिष्टियां—

- (1) इन नियमों के अधीन अनुदत्त प्रत्येक अनुज्ञप्ति उसमें विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए धारित की जाएगी और उसमें वे सभी विशिष्टियां अन्तर्विष्ट होंगी जो इन नियमों के अधीन विनिर्दिष्ट प्ररूप में अन्तर्विष्ट हैं।
- (2) परिसरों के लिए रेखांक या रेखांकी की एक प्रति जो अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन के प्रतीक-स्वरूप हस्ताक्षरित हो, अनुज्ञप्ति के साथ संलग्न की जाएगी जो ऐसी अनुज्ञप्ति का भाग होंगी और एक समरूप प्रति अनुज्ञापन प्राधिकारी के कार्यालय में अभिलेख के लिए फाइल की जाएगी।

34. अनुज्ञप्ति किए जाने के लिए प्रस्तावित परिसर के विनिर्देशों और रेखांकों का पूर्व अनुमोदन—

- (1) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो, यथास्थिति, प्ररूप 2, प्ररूप 3 या प्ररूप 4 में कार्बाइड का आयात या भंडारकरण करने के लिए कोई अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करना चाहता है, एक आरवन अनुज्ञापन प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा जिसके साथ निम्नलिखित होगी :—
- (क) मापमान के संबंध में दो प्रतियों में विनिर्देश और बनाए गए रेखांक चित्र में निम्नलिखित को स्पष्ट रूप से उपदिष्ट किया जाएगा :—

- (1) वह रीति जिससे इन नियमों के अधीन विहित उपबन्धों का अनुपालन किया जाएगा ;
- (2) अनुज्ञप्ति किए जाने के लिए प्रस्तावित परिसर जिनका क्षेत्र मूभिन्नतः या अन्यथा चिह्नांकित किया जाएगा ;
- (3) ऐसे शेड के जो अनुज्ञप्ति किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं, छोर से 50 मीटर के अन्तर्गत

जाने वाले आसपास के क्षेत्र और सभी परिसर मड़क आदि ;

(4) भंडारकरण-शेड की स्थिति, मन्निर्माण का व्यौरा तथा भूमि और उत्पादन दृश्य ;

(ख) 10 रु. संवीक्षा फीस जिसका नियम 46 में विनिर्दिष्ट रीति से मंदाय किया जाएगा ।

(2) यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी का, विनिर्देशों और रेखांकों की संवीक्षा करने के पश्चात् तथा ऐसी पृछताछ करने के पश्चात् जो वह ठीक समझे, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे कार्बाइड का, अनुज्ञापन किए जाने के लिए प्रस्तावित परिसरों में भंडार-करण किया जा सकता है तो वह अपने द्वारा हस्ता-क्षरित और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह विनिर्दिष्ट करे, अपनी मंजूरी देते हुए विनिर्देशों और रेखांकों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति आवे-दक को वापस करेगा ।

35. अनुज्ञापन परिसरों में परिवर्तन के लिए पूर्व अनुमोदन आवश्यक :—

(1) अनुज्ञापन परिसरों में कोई परिवर्तन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन को दर्शित करने वाली झाड़ग या झाड़गों को अनुज्ञापन प्राधि-कारी द्वारा लिखित में अनुमोदित नहीं कर दिया गया है ।

(2) ऐसा व्यक्ति जो अनुज्ञापन परिसरों में कोई परिवर्तन कराना चाहता है, अनुज्ञापन प्राधिकारी को निम्न-लिखित प्रस्तुत करेगा :—

(क) अनुज्ञापन परिसरों के समुचित रूप से बनाए गए रेखांक की तीव्र प्रतियाँ जिसमें प्रस्तावित परि-वर्तनों को सुभिन्न रंग या रंगों में दर्शित किया गया हो और उनके लिए जो कारण हैं वे भी दर्शित किए जाएंगे ;

(ख) प्रस्तावित परिवर्तन की संवीक्षा के लिए 10 रु. फीस ।

(3) यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी का, प्रस्तावित परिवर्तन को दर्शित करने वाले रेखांक की संवीक्षा करने के पश्चात् और ऐसी पृछताछ करने के पश्चात् करने के पश्चात् जो वह ठीक समझे, यह समा-धान हो जाता है कि प्रस्तावित परिवर्तन किए जा सकते हैं तो वह अपने द्वारा हस्ताक्षरित और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह विनिर्दिष्ट करे अपनी मंजूरी देते हुए रेखांक की एक प्रति अनु-ज्ञापनधारी को वापस करेगा ।

(4) अनुज्ञापन का धारक परिवर्तन के लिए मंजूरी के मिलते ही अनुज्ञापन के संशोधन के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी को आवेदन करेगा ।

36. अनुज्ञापन का संशोधन—

(1) इन नियमों के अधीन अनुदत्त किसी अनुज्ञापन का, ऐसी अनुज्ञापन को अनुदत्त करने के लिए सशक्त प्राधिकारी द्वारा संशोधन किया जा सकेगा ।

(2) ऐसी अनुज्ञापन के संशोधन के लिए फीस 10 रु. धन ऐसी रकम, यदि कोई हो, जिससे ऐसी फीस जो तब संदेय होती जब अनुज्ञापन संशोधित रूप में मूल रूप से जारी की गई होती, अनुज्ञापनधारी द्वारा मूल रूप से संदत्त फीस से अधिक हो जाती है ।

(3) ऐसा अनुज्ञापनधारी जो अपनी अनुज्ञापन का संशोधन कराना चाहता है, अनुज्ञापन प्राधिकारी को निम्न-लिखित प्रस्तुत करेगा :—

(1) प्ररूप-1 में सम्यक् रूप से भरा गया और हस्ता-क्षरित आवेदन ;

(2) वह अनुज्ञापन जिसका संशोधन कराया जाना है और साथ ही उसके साथ संलग्न अनुमोदित रेखांक ;

(3) जहाँ अनुज्ञापन परिसरों में कोई परिवर्तन किया गया है वहाँ अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा नियम 36 के अधीन मंजूर किए गए परिवर्तनों को दर्शित करने वाले समुचित रूप से बनाए गए रेखांक की तीन प्रति ;

(4) अनुज्ञापन के संशोधन के लिए ऐसी फीस जो उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट है ।

37. अनुज्ञापन का नवीकरण—

(1) अनुज्ञापन का, ऐसी अनुज्ञापन अनुदत्त करने के लिए सशक्त अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा नवीकरण किया जा सकेगा :

परन्तु ऐसी अनुज्ञापन का जो मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुदत्त की गई है, मुख्य नियंत्रक द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत विस्फोटक नियंत्रक द्वारा बिना परिवर्तन के नवीकरण किया जा सकेगा ।

(2) जहाँ अधिनियम का या उसके अधीन बनाए गए नियमों का अथवा नवीकृत अनुज्ञापन की किसी शर्त का उल्लंघन नहीं किया गया है वहाँ इन नियमों के अधीन अनुदत्त प्रत्येक अनुज्ञापन तीन कलेंडर वर्ष के लिए नवीकरणीय होगी ।

(3) जहाँ ऐसी अनुज्ञापन का जिसका एक वर्ष से अधिक के लिए नवीकरण किया गया है, उसकी समाप्ति से पहले अभ्यर्पण कर दिया जाता है वहाँ अनुज्ञापन के अनवशित भाग के लिए संवत्त नवीकरण फीस अनुज्ञापनधारी को वापस कर दी जाएगी : परन्तु नवीकरण फीस की वापसी किसी ऐसे कलेंडर वर्ष के लिए नहीं की जाएगी जिसके दौरान :—

(क) अनुज्ञापन प्राधिकारी नवीकृत अनुज्ञापन को अभ्यर्पण के लिए प्राप्त करता है, या

(ख) कोई कार्बाइड, अनुज्ञापन के प्राधिकार के अधीन प्राप्त होता है या उसका भंडारकरण किया जाता है ।

(4) उप-नियम (2) के अधीन प्रत्येक आवेदन प्ररूप 1 में किया जाएगा और उसके साथ वह अनुज्ञापन जिसका नवीकरण किया जाना है और साथ ही अनुज्ञापन से संलग्न अनुमोदित रेखांक और नवीकरण फीस होगी ।

(5) अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन इस प्रकार किया जाएगा जिससे कि वह उस तारीख से समाप्त होता है, कम से कम तीस दिन पहले अनुज्ञापन प्राधिकारी के पास पहुंच जाए और यदि आवेदन इस प्रकार किया जाता है तो अनुज्ञप्ति ऐसी तारीख तक जिसको अनुज्ञापन प्राधिकारी, अनुज्ञप्ति का नवीकरण करता है या ऐसी सूचना को कि नवीकरण करने के लिए इन्कार कर दिया गया है, आवेदक को संसूचित नहीं किया गया है तब तक, प्रवृत्त समझी जाएगी।

(6) जहां अनुज्ञप्ति का नवीकरण करने से इन्कार कर दिया जाता है वहां नवीकरण के लिए संवत् फीस उस तारीख से जिससे ऐसी अनुज्ञप्ति नवीकृत की जानी थी, प्रारम्भ होने वाली और उस तारीख को जिसको उसका नवीकरण करने से इन्कार किया गया है, समाप्त होने वाली अवधि के लिए आनुपातिक फीस उसमें से काटने के पश्चात् अनुज्ञप्तिधारी को वापस कर दी जाएगी।

(7) प्रत्येक कलेंडर वर्ष के लिए अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए वही फीस प्रभारित की जाएगी जो उसके अनुवृत्त किए जाने के लिए प्रभारित की जाती है :

परन्तु—

(1) यदि आवेदन, उप-नियम (4) के अधीन अपेक्षित संलग्नकों सहित, उप-नियम (5) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्राप्त नहीं होता है तो अनुज्ञप्ति, ऐसी फीस का संदाय किए जाने पर ही नवीकृत की जाएगी जो साधारणतया संदेय फीस की दोगुनी होगी ;

(2) यदि संलग्नकों सहित ऐसा आवेदन समाप्ति की तारीख के पश्चात् किन्तु ऐसी समाप्ति की तारीख से तीस दिन के पश्चात् अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा प्राप्त किया जाता है तो ऐसी अनुज्ञप्ति का ऐसी किसी अन्य कार्रवाई पर जो इस निमित्त की जा सकती है, प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना साधारणतया संदेय फीस से दोगुनी फीस का संदाय किए जाने पर नवीकरण किया जा सकेगा :

परन्तु यह और कि किसी एक समय में एक कलेंडर वर्ष से अधिक अवधि के लिए ऐसी अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन की दशा में पहले परन्तुक के खण्ड (1) या खण्ड (2) के अधीनविहित फीस का यदि संदेय हो, नवीकरण के पहले कलेंडर वर्ष के लिए ही संदाय किया जाएगा।

38. अनुज्ञप्ति के लिए इन्कार किया जाना—

(1) अनुज्ञप्ति को अनुवृत्त, संशोधित, नवीकृत या अन्तरित करने से इन्कार करने वाला अनुज्ञापन प्राधिकारी, ऐसे इन्कार के लिए जो कारण है उन्हें, लेखबद्ध करेगा।

(2) ऐसे इन्कार किए जाने के लिए जो कारण है उन्हें अन्तर्विष्ट करने वाले आदेश की एक प्रति 10 रु.

फीस का संदाय किए जाने पर आवेदक को दी जाएगी।

39. अनुज्ञप्ति का निलम्बन और रद्दकरण—

(1) इन नियमों के अधीन अनुवृत्त प्रत्येक अनुज्ञप्ति—

(1) यदि अनुज्ञप्तिधारी का कार्यालय के भण्डारकरण के लिए किसी स्थल पर अधिकार समाप्त हो जाता है तो, रद्द हो जाएगी ;

(2) अधिनियम के या उसके अधीन बनाए गए किसी नियम के अथवा ऐसी अनुज्ञप्ति में अन्तर्विष्ट किसी शर्त के किसी उल्लंघन के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी के किसी आदेश द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार के आदेश द्वारा, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसा करने के लिए पर्याप्त आधार है, तो निलम्बित या रद्द की जा सकेगी।

परन्तु—

(क) इस नियम के अधीन किसी अनुज्ञप्ति को निलम्बित या रद्द करने से पहले, अनुज्ञप्ति के धारक को सूचनाई का अवसर दिया जाएगा ;

(ख) निलम्बन की अधिकतम अवधि तीन मास से अधिक नहीं होगी ; और

(ग) किसी अनुज्ञप्ति का निलम्बन अनुज्ञप्ति के धारक को नियम 37 के उपबन्धों के अनुसार उसके नवीकरण के लिए आवेदन करने से विवर्जित नहीं करेगा।

(2) उप-नियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, सूचनाई का अवसर किसी अनुज्ञप्ति के धारक को उसकी अनुज्ञप्ति के निलम्बन या रद्दकरण से पहले निम्नलिखित दशाओं में नहीं दिया जा सकेगा ;—

(क) जहां अधिनियम के या इन नियमों के किसी उप-बन्ध के अथवा ऐसी अनुज्ञप्ति में अन्तर्विष्ट किसी शर्त के अतिक्रमण के लिए किसी अन्तरिम उपाय के रूप में अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञप्ति का निलम्बन किया जाता है और उसकी शाय में ऐसे अतिक्रमण से जनता को आमन्न खतरा होने की सम्भावना है

परन्तु जहां कोई अनुज्ञप्ति इस प्रकार निलम्बित की जाती है वहां अनुज्ञापन प्राधिकारी ऐसे निलम्बन आदेश की पूर्ति किए जाने से पहले अनुज्ञप्ति के धारक को सूचनाई का अवसर देगा ; या

(ख) जहां अनुज्ञप्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा निलम्बित या रद्द की जाती है और यदि सरकार का यह विश्वास है कि लोकहित में या राज्य की सुरक्षा के हित में ऐसा अवसर न दिया जाए।

(3) उप-नियम (1) के अधीन किसी अनुज्ञप्ति को निलम्बित या रद्द करने वाला अनुज्ञापन प्राधिकारी या केन्द्रीय सरकार, ऐसा करने के लिए जो कारण है उन्हें, लेखबद्ध करेगी।

40. अनुज्ञप्ति को समाप्त, उसका निलम्बन या रद्दकरण किए जाने पर प्रक्रिया :—

- (1) कार्बाइड का भण्डारकरण करने के लिए अनुज्ञप्ति कोई व्यक्ति, अपनी अनुज्ञप्ति की समाप्ति के, उसके निलम्बन या रद्दकरण पर, जिला प्राधिकारी को अपने कब्जे में के कार्बाइड की मात्रा के बारे में तुरन्त सूचना देगा और ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा जो जिला प्राधिकारी द्वारा, मुख्य नियंत्रक की सिफारिश पर, उसके व्ययन के संबंध में दिए जाएं ।
- (2) जिला प्राधिकारी अस्थायी अनुज्ञप्ति के जारी किए जाने के समय वास्तव में धारित कार्बाइड के भण्डारकरण के लिए अस्थायी अनुज्ञप्ति, यथास्थिति, ऐसी समाप्ति, निलम्बन या रद्दकरण की तारीख से तीन मास में अनधिक अवधि के लिए अनुदत्त कर सकेगा ।

परन्तु—

- (क) जहां समाप्त, निलम्बित या रद्द अनुज्ञप्ति जिला प्राधिकारी से भिन्न किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा अनुदत्त की गई थी वहां कोई अस्थाई अनुज्ञप्ति ऐसे अन्य प्राधिकारी की पूर्व सहमति के बिना अनुदत्त नहीं की जाएगी ;
- (ख) उप-नियम (2) के अधीन अनुदत्त अनुज्ञप्ति पर प्रभार्य फीस का समाप्त या रद्द या निलम्बित अनुज्ञप्ति पर, प्रभारित फीस से वही अनुपात होगा जो अस्थायी अनुज्ञप्ति के अन्तर्गत आने वाली अवधि का पूरे वर्ष से है ।

41. अपील—

- (क) किसी अनुज्ञप्ति के अनुदान, संशोधन या नवीकरण को रद्द करने वाले या ऐसा इकार करने वाले अथवा किसी अनुज्ञप्ति के रद्दकरण या निलम्बन के आदेश के विरुद्ध कोई अपील—

- (1) केन्द्रीय सरकार को होगी, यदि ऐसा आदेश मुख्य नियंत्रक द्वारा पारित किया जाता है ;
 - (2) मुख्य नियंत्रक को होगी, यदि ऐसा आदेश डिस्ट्रिक्ट नियंत्रक द्वारा पारित किया जाता है ;
 - (3) सचिव, वाणिज्य और उद्योग विभाग, पश्चिमी बंगाल को होगी, यदि ऐसा आदेश पश्चिमी बंगाल राज्य में किसी जिला प्राधिकारी द्वारा पारित किया जाता है ;
 - (4) जिला प्राधिकारी से ठीक ऊपर के वरिष्ठ अधिकारी को होगी, यदि ऐसा आदेश पश्चिमी बंगाल राज्य से भिन्न किसी राज्य में जिला प्राधिकारी द्वारा पारित किया जाता है ।
- (2) प्रत्येक अपील लिखित में होगी और उसके साथ उस आदेश की एक प्रति होगी जिसके विरुद्ध अपील की गई है तथा यदि वह केन्द्रीय सरकार को निर्दिष्ट की जाती है तो पारित आदेश के 60 दिन के भीतर और सभी अन्य मामलों में, 30 दिन के भीतर प्रस्तुत की जाएगी ।

42. अनुज्ञप्ति का अंतरण—

- (1) किसी अनुज्ञप्ति का धारक ऐसी अनुज्ञप्ति की समाप्ति से पहले किसी भी समय ऐसी अनुज्ञप्ति का किसी अन्य व्यक्ति को अंतरण करने के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी को आवेदन कर सकेगा ।
- (2) किसी अनुज्ञप्ति के अंतरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ निम्नलिखित होगा :—
- (1) ऐसी अनुज्ञप्ति के धारक द्वारा हस्ताक्षरित पत्र जिसमें ऐसे व्यक्ति का जिसको वह अनुज्ञप्ति का अंतरण करना चाहता है, परा नाम और पता तथा अनुज्ञापन परिसरों का पूरा कब्जा उप-दिष्ट किया जाएगा ;
- (2) वह अनुज्ञप्ति जिसका अंतरण किया जाना है और उसके साथ उसमें मंजूर अनमोदित रेखाओं या रेखाओं को लगाया जाएगा ;
- (3) ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसको अनुज्ञप्ति का अंतरण किया जाना है, सम्यक् रूप में भरा गया और हस्ताक्षरित प्रारूप-1 में आवेदन ;
- (4) नियम 46 में विनिर्दिष्ट रीति में मूल्य 10 रुपए फीस ।
- (3) उपनियम (2) के अधीन अपेक्षित दस्तावेजों और फीस की प्राप्ति पर अनुज्ञापन प्राधिकारी, यदि वह अंतरण का अनुमोदन करता है तो, अनुज्ञप्ति के ऊपर अपने हस्ताक्षर सहित इस आशय का पृष्ठांकन करेगा कि अनुज्ञप्ति का इस प्रकार नामित व्यक्ति को अंतरण कर दिया गया है ।
- (4) ऐसा व्यक्ति जिसको अनुज्ञप्ति का इस प्रकार अंतरण किया जाता है, अनुज्ञप्ति के अधीन वैसे ही शक्तियों का उपभोग करेगा और वैसे ही बाध्यताओं के अधीन होगा जो मूल अनुज्ञप्तिधारी की होती हैं और जिसके अधीन मूल अनुज्ञप्तिधारी होता है ।

43. अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु या उसके नि शक्त हो जाने पर प्रक्रिया—

- (1) यदि किसी अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु हो जाती है अथवा वह दिवालिया या मानसिक रूप से असमर्थ हो जाता है अथवा अन्यथा नि शक्त हो जाता है तो ऐसे अनुज्ञप्तिधारी के कारबार को चलाने वाला व्यक्ति ऐसे समय के दौरान जो उस वर्ष की बाबत जिसमें अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु होती है अथवा वह दिवालिया या मानसिक रूप से असमर्थ होता है अथवा नि शक्त होता है, मूल अनुज्ञप्ति के अनवसित भाग के लिए अपने नाम में नई अनुज्ञप्ति के लिए कोई भी आवेदन करने के लिए उसे अनुज्ञापन करने के लिए व्यक्तिगत रूप से अपेक्षित है, अनुज्ञप्तिधारी को अनुदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अधिनियम के या इन नियमों के अधीन किसी शांति या अधिकरण का भागी नहीं होगा ।

परन्तु इस उपनियम की कोई बात, अनुज्ञप्ति की अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी व्यक्ति को, इस उपनियम के अधीन किसी शक्ति का

प्रयोग करने के लिए, प्राधिकृत करने वाली नहीं समझी जाएगी।

- (2) इस नियम के अधीन अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन करने वाले किसी व्यक्ति को अनुदत्त मूल अनुज्ञप्ति के अनवमित भाग के लिए नहीं अनुज्ञप्ति के लिए 10 रुपए फीस प्रभारित की जाएगी।

44. अनुज्ञप्ति की हानि—जहां इन नियमों के अधीन अनुदत्त कोई अनुज्ञप्ति विरूपित हो जाती है, खो जाती है, नष्ट हो जाती है, या अन्यथा बेकार हो जाती है वहां उसकी दूसरी प्रति अनुज्ञप्ति से संलग्न रेखांक या रेखांको के समरूप रेखांक या रेखांको की प्रति प्रस्तुत किए जाने पर और 10 रु. फीस का संदाय किए जाने पर अनुदत्त की जा सकेगी।

45. मांग पर अनुज्ञप्ति का पेश किया जाना—

- (1) इन नियमों के अधीन अनुदत्त किसी अनुज्ञप्ति को धारण करने वाला या उसके अंतर्गत कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति ऐसे स्थान पर जिसको अनुज्ञप्ति लागू होती है, किसी निरीक्षक द्वारा ऐसा करने के लिए अपेक्षा किए जाने पर, ऐसी अनुज्ञप्ति या उसकी एक अधिप्रामाणित प्रति पेश करेगा।

- (2) किसी अनुज्ञप्ति की प्रतियां, इस नियम के प्रयोजन के लिए, प्रत्येक अधिप्रामाणित प्रति के लिए 10 रुपए फीस का संदाय किए जाने पर ऐसे प्राधिकारी द्वारा अधिप्रामाणित की जा सकेंगी जो अनुज्ञप्ति अनुदत्त करता है।

46. फीस का संदाय—इन नियमों के अधीन संदेय फीस का निम्नलिखित रीति से संदाय किया जाएगा :—

- (1) विस्फोटक विभाग, नागपुर के मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा नामनिर्देशित किसी अधिकारी के पक्ष में किसी राष्ट्रीयकृत बैंक पर लिखे गए क्रास मांग देय ड्राफ्ट द्वारा फीस जो नागपुर में संदेय होगी और यदि संदेय रकम 100 रुपए से अधिक नहीं है तो ऐसा संदाय नकद, पोस्टल आर्डर या किसी स्थानीय राष्ट्रीयकृत बैंक पर लिखे गए बैंक द्वारा किया जा सकेगा।

- (2) विस्फोटक नियंत्रक को संदेय फीस का ऐसे विस्फोटक नियंत्रक के पक्ष में जिसको संदाय किया जाता है, किसी राष्ट्रीयकृत बैंक पर लिखे गए किसी क्रास मांग देय ड्राफ्ट द्वारा संदाय किया जाएगा जो ऐसे स्टेशन पर संदेय होगा जहां उसका कार्यालय स्थित है और यदि संदेय रकम 100 रुपए से अधिक नहीं है तो ऐसा संदाय नकद, पोस्टल आर्डर या किसी स्थानीय राष्ट्रीयकृत बैंक पर लिखे गए बैंक द्वारा किया जा सकेगा।

47. अतिलंघन की रिपोर्ट पर प्रक्रिया—जिला प्राधिकारी अधिनियम के या इन नियमों के अतिलंघन की किसी रिपोर्ट पर जो विस्फोटक नियंत्रक या मुख्य नियंत्रक द्वारा उभकी की जाए, अपने द्वारा की गई कार्रवाई की सूचना, उक्त विस्फोटक नियंत्रक या मुख्य नियंत्रक को देगा।

48. प्राधिकारियों पर कार्यपालिक नियंत्रण—केन्द्रीय सरकार में भिन्न ऐसा प्रत्येक प्राधिकारी जो इस अध्याय के अधीन कार्य

कर रहा है, केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण के अधीन अपने कर्तव्यों का पालन करेगा :

परन्तु इस नियम की कोई बात, मुख्य नियंत्रक के अधीनस्थ अधिकारियों के ऊपर उसके कार्यपालिक नियंत्रण की क्षक्तियों प्रभाव डालने वाली नहीं समझी जाएगी।

अध्याय 7

दुर्घटना की सूचना

49. दुर्घटना की सूचना—(1) अधिनियम की धारा 27 के अधीन किसी दुर्घटना की सूचना—

- (क) मुख्य नियंत्रक को दी जाने वाली सूचना की दशा में, तुरन्त तार द्वारा (तार का पता : एक्स्प्लोसिव्स, नागपुर) तरन्त दी जाएगी जिसके 24 घंटे के भीतर दुर्घटना की विशिष्टियां देते हुए एक पत्र भी भेजा जाएगा ; और

- (ख) किसी तुरन्त संचार-साधन द्वारा निकटतम मजिस्ट्रेट को या पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी को जो उस पर अधिकारिता रखता है, तुरन्त दी जाएगी।

- (2) मुख्य नियंत्रक या उसके प्रतिनिधि द्वारा निरीक्षण करने के समय तक या उस समय तक जब तक इन प्राधिकारियों से ये अनुरोध प्राप्त नहीं हो जाते हैं कि वह कोई और अन्वेषण या जांच नहीं करना चाहता है, सभी ध्वंसावशेषों और मलबों को तब तक न हटाया जाए जब तक ऐसा हटाया जाना दुर्घटना से क्षतिग्रस्त व्यक्तियों के बचाव के लिए और उसमें मृत व्यक्तियों के शवों को ध्वंसावशेष और मलबे से निकालने के लिए अथवा रेल की दशा में, सीधी संचार-व्यवस्था के पनःस्थापन के लिए आवश्यक न हो।

अध्याय 8

छूट

50. निरसन और व्यावर्तित (1) कील्सयम कार्बाइड नियम, 1937 इसके द्वारा निरसित किए जाते हैं :—

- (2) ऐसे निरसन के होते हुए भी यह है कि—

- (1) उक्त नियमों के अधीन अनुदत्त या नवीकृत सभी अनुज्ञप्तियां या उसकी दूसरी प्रतियां और अधिरोपित या उद्गृहीत सभी फीस इन नियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन, यथास्थिति, अनुदत्त, नवीकृत, अधिरोपित या उद्गृहीत की गई समझी जाएगी।

- (2) किसी अधिसूचना या नियम द्वारा या उसके अधीन किए गए सभी अनुमोदन और प्रवृत्त सभी क्षक्तियां जहां तक कि वे अधिनियम के या इन नियमों के उपबंधों से संगत हैं, इन नियमों द्वारा या इनके अधीन दी गई या प्रदत्त की गई समझी जाएगी।

[सं. 2(21)/75-डी.पी.आर./ई.जी.पी.]

ए. पी. सरवन, संयुक्त मन्त्रि

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th September, 1983

G.S.R. 698(E)—The following draft of rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 4 and section 29 of the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934), is hereby published as required by sub-section (2) of the said section 29 for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of 45 days from the date this notification is made available to the public;

Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government. The objections/suggestions may be sent to the Chief Controller of Explosives, Old High Court Building, Civil Lines, Nagpur-1, under intimation to this Ministry.

CHAPTER I

Part I—Preliminary

1. Short title.—These rules may be called the Carbide of Calcium Rules, 1983

2. Definitions.—

In these rules, unless the context otherwise requires—

- (a) "Act" means the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934);
- (b) 'Carbide' means Carbide of Calcium;
- (c) 'Chief Controller' means the Chief Controller of Explosives;
- (d) 'Conservator of the Port' includes any person acting under the authority of the officer or body of persons appointed to be Conservator of a port under section 7 of the Indian Port Act, 1908 (15 of 1908);
- (e) 'Controller of Explosives' includes a Joint Chief Controller of Explosives, Deputy Chief Controller of Explosives, and Deputy Controller of Explosives;
- (f) 'district authority' means—
 - (a) a Commissioner of Police or Deputy Commissioner of Police in any town having a Commissioner of Police; and

(b) in any other place, the District Magistrate;

- (g) 'District Magistrate' includes an Additional District Magistrate and in the States of Punjab and Haryana and in the Karalkal, Mahe and Yanam areas of the Union territory of Pondicherry, also includes a Sub-Divisional Magistrate;
- (h) 'Form' means a Form as given in the Second Schedule;
- (i) 'Inspector' means an Officer authorised by the Central Government under sub-section (1) of section 13 of the Act;
- (j) 'Prescribed receptacle' means a receptacle which—
 - (i) is made of metal but has no copper in its composition;
 - (ii) is hermetically closed at all times except when its contents are being placed within it or withdrawn from it; and
 - (iii) bears a stamped embossed, painted or printed warning exhibiting in conspicuous characters the words "Carbide of Calcium—Dangerous if not kept dry" and the following caution :—

"The contents of this package are liable, if brought into contact with moisture, to give off a highly inflammable gas";
- (k) 'Sampling Officer' means an officer authorised by the Central Government under sub-section (1) of section 14 of the Act.

CHAPTER II

GENERAL PROVISIONS

3. Carbide to be packed in prescribed receptacles.—Carbide shall not be imported, transported or stored unless it is packed in prescribed receptacles :

Provided that the Chief Controller may permit any receptacle other than the prescribed one if he is satisfied that such a receptacle may be used without any undue hazard.

4. Restriction on delivery and despatch of carbide.—No person shall deliver or despatch any carbide to any person other than the holder of a storage licence or his authorised agent or a port authority or a railway administration :

Provided that nothing in this rule shall apply to the delivery or despatch to any person of Carbide in quantities which are permitted by rule 26 to be stored without a licence.

5. Precautions against contact with water.—Every reasonable precaution shall be taken to prevent carbide coming into contact with water and where such contact may have occurred, to prevent ignition of the gas.

6. Disposal of carbide if wet.—If any carbide becomes wet it shall be destroyed by being submerged in deep water. If deep water is not available, the wet carbide, shall be spread out in the open in an isolated place, and all precautions shall be taken to prevent any fire or artificial light or article capable of igniting acetylene being brought near until the material has given off all its gas.

NOTE : The fact of carbide, having become wet, will be indicated by the outward appearance of the drum, and probably by a disagreeable odour, showing a leakage of gas.

7. Children and intoxicated persons.—No person shall employ or allow—

(i) any child under eighteen years of age ; or

(ii) any person who is in a state of intoxication—

(a) for the purpose of loading, unloading or transport of carbide ; or

(b) to enter any premises licensed under these rules.

8. Prohibition of smoking, fires and lights.—No person shall smoke, and no fires, artificial lights or articles capable of igniting acetylene shall be permitted—

(a) at any time within or near the place where carbide is stored ;

(b) near a vehicle or vessel transporting carbide.

CHAPTER III

IMPORTATION OF CARBIDE

PART I—GENERAL

9. Licence for import of carbide.—Carbide, other than carbide which may be possessed without a licence under rule 26, shall not be imported except under a licence granted under these rules.

PART II

IMPORTATION BY SEA

10. Port of Import.—Carbide shall not be imported except at the ports of—

Bombay
Calcutta

Cochin
Tuticorin
Kandla
Madras
Mangalore
Port Blair
Visakhapatnam

11. Duty of Master or a Agent in port.—

(1) The master or the agent of the owner of every vessel arriving at any port and carrying carbide shall, on entering the port and before landing any cargo, declare in writing to the Collector of Customs and also to the Conservator of the Port, the quantity and description of the carbide carried by it.

(2) The master shall moor the vessel at such place as the Conservator of the port may direct and while any carbide remains on board, the master shall not, except for the purpose of proceeding to sea, remove the vessel without the written permission of the Conservator of the Port.

(3) The master shall ensure that the hold of every vessel bringing carbide into port shall be efficiently ventilated from the time the vessel enters the port until all the carbide on board has been discharged or until the vessel has left the port.

12. Defective Receptacles.—The Collector of Customs may require that any receptacle containing carbide which does not satisfy the requirements of rule 3 or which is defective shall be submerged in deep water under the direction of the Conservator of the Port, without compensation to the consignee.

13. Facilities to be afforded to Inspecting Officers.—The master or the agent of the owner of any vessel in port with carbide on board shall, when so required by the Collector of Customs or by the Conservator of the Port or by an Inspector or Sampling Officer, show to such officer all carbide under his control or on board, and shall afford every reasonable facility to enable such officer to inspect such carbide so as to ascertain whether the provisions of these rules are duly observed and to take samples free of charge, if such officer so desires.

14. Landing of carbide.—(1) Carbide shall be landed only with the permission of the Collector of Customs and at such place or places as the Conservator of the Port may direct

(2) Carbide shall be landed only between sunrise and sunset.

15. Removal after landing.—All carbide landed from any vessel shall be removed without unnecessary delay to a licensed premises, and if conveyed by water shall be conveyed only in an open barge certified as suitable for the conveyance of carbide by the Conservator of the Port.

16. Storage at Port.—Notwithstanding anything contained in rule 15, carbide, if it cannot be removed immediately from the port, may be stored in the port in a separate godown away from other buildings.

PART III

IMPORTATION BY LAND

17. Importation by land.—No person shall import carbide by land save with the previous sanction in each case of the Central Government and under such conditions and restrictions as it may impose in consultation with the Chief Controller.

PART IV

IMPORTATION BY AIR

18. Importation by Air.—Carbide shall not be imported by air save with the previous sanction in each case of the Central Government and under such conditions and restrictions and on payment of such fees as it may impose and in such quantities and manners as may be allowed by the Director General Civil Aviation.

CHAPTER IV

TRANSPORTATION OF CARBIDE

19. Transportation in quantity not exceeding 5 kilogrammes.—Carbide transported in any quantity not exceeding 5 kilogrammes shall be packed in prescribed receptacles each containing not more than 1 kilogramme.

20. Transport in quantity exceeding 5 kilogrammes.—Carbide in quantity exceeding 5 kilogrammes shall not be transported except under the following conditions :—

- (a) Carbide shall be carried in prescribed receptacles, no one of which shall be capable of containing more than 100 kilogrammes of carbide; and
- (b) the carbide shall not be deposited at any time during transit in any building other than a building licensed for the storage of carbide under these rules :

Provided that the Chief Controller may permit transport of carbide in receptacles capable of containing more than 100 kilogrammes specifically approved by him for the purpose and under such conditions that he may prescribe in this behalf :

Provided further that carbide so transported is meant for directly charging into an acetylene generator and not for repacking into any other receptacle.

21. Transport by Railway or road.—(1) Carbide while in the custody of railway administration or a road transport agency for transport, shall not be stored in any goods shed with other materials but shall be stacked in the open under water proof sheets and shall be so placed as to prevent any receptacle containing it from becoming wet.

(2) All fires or artificial lights or articles capable of igniting acetylene shall be kept away from carbide stacked as provided in sub-rule (1).

22. Transport by Passenger Train.—Where carbide is transported by passenger train—

- (i) the quantity carried by any one train shall not exceed 250 kilogrammes;
- (ii) the carbide shall be carried in brake van of the train;
- (iii) no naked lamp or other artificial light capable of igniting inflammable gas shall be taken into a van containing carbide; and
- (iv) the van shall be well ventilated and as far as possible is water-tight.

23. Transport by water.—Where carbide is conveyed by water it shall be packed and stored in accordance with the regulations contained in the Merchant Shipping Carriage of Dangerous Goods Rules, 1978.

24. Transport by Air.—Carbide may be transported by air in such quantities and in such a manner as may be allowed by the Director General Civil Aviation.

CHAPTER V

STORAGE OF CARBIDE

25. Carbide to be commercially pure.—No carbide shall be kept at any place with or without a licence unless it is "commercially pure" that is unless it contains no impurities which would render the gas evolved either alone or in admixture with air, liable to ignite spontaneously.

26. Licence for storage.—No person shall store any carbide except under a licence granted under these rules :

Provided that no licence shall be required for storage of carbide—

- (a) in any quantity not exceeding five kilogrammes if it is kept in prescribed receptacles each containing not more than one kilogram;

(b) In any quantity exceeding five kilogrammes but not exceeding two hundred kilogrammes subject to the following conditions, namely :—

- (i) The receptacles shall be stored in a dry and well ventilated storage shed, which may form a part of or attached to a building provided that it is separated therefrom by a substantial partition and the only means of access to it is from outside air;
- (ii) due precautions shall be taken to prevent unauthorised persons from having access to the receptacles;
- (iii) the receptacles shall be kept securely closed except while taking out carbide therefrom;
- (c) temporarily within port limits under such conditions as the conservator of the port may specify;
- (d) while in transit under the custody of railway administration or road transport agency;
- (e) in the possession of the Defence Forces of the Union;

27. Observance of safety distance from the licensed storage shed necessary.—

(1) Carbide shall be stored—

- (a) if in quantities aggregating more than 200 kilogrammes but not exceeding 500 kilogrammes in a suitable uninhabited building at least 3 metres away from any other premises;
- (b) if in quantities aggregating more than 500 kilogrammes and not more than 5000 kilogrammes in a suitable uninhabited building at least 6 metres away from any other premises;
- (c) if in quantities aggregating more than 5000 kilogrammes, in a suitable uninhabited building at least 9 metres away from any other premises and at least 6 metres away from any road;

(2) Not more than 1000 tonnes of carbide shall be stored in any one building, provided that not more than 250 tonnes of Carbide of Calcium is stored in any one room or other part of the building.

(3) A Carbide storage shed may also form a part of, or attached to an Acetylene plant provided that it is separated from other portions of the plant by substantial partition and the entire building including the Carbide Storage Shed observes

a safety distance of 15 metres from any other premises and 9 metres from any public thoroughfare.

28. Construction of storage premises :—

(1) Every premises for storage of carbide shall—

- (a) be constructed of non-flammable material with cemented floor raised at least 30 centimetres from the surrounding ground level ;
- (b) be well ventilated both near the ceiling and the floor to the satisfaction of the licensing authority. The ventilator openings shall be covered with two layers of galvanised iron or other non-corroding metal wire gauge having no copper and of mesh not less than 11 per linear centimetre;
- (c) be water tight;
- (d) be of sufficient capacity so as to conveniently accommodate the quantity of carbide proposed to be stored, leaving a gangway space of at least 60 centimetres around the stack.

Note :—The floor area for storage of carbide may be calculated at the rate of 3 SQM] Tonne, provided and stack height is limited to 3 metres.

29. Arrangements in storage premises.—Carbide receptacles shall be neatly stacked on racks or trestles or on a raised platform inside the storage premises at least 30 centimetres above the inner floor level.

CHAPTER VI

LICENCES

30. Grant of licence.—Licences under the rules may be granted by the licensing authorities set forth in the First Schedule in the Forms specified for the purpose, and on payment of a fee specified therein.

31. Period for which licenses may be granted or renewed.—

- (1) Every licence granted or renewed under these rules shall remain in force until the 31st day of December of the year upto which the licence is granted or renewed subject to a maximum of three years.
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) the licensing authority where it is satisfied that a licence is required for a specific work or festival which is not likely to last upto the 31st day of December of the year for which the licence is granted or renewed, may grant

or renew a licence for such period as is actually necessary.

32. Application for licence.—A person wishing to obtain amend or renew a licence under these rules shall submit an application in Form I to the authority empowered to grant such a licence.

33. Particulars of licence.—

- (1) Every licence granted under these rules shall be held subject to the conditions specified therein and shall contain all the particulars which are contained in the form specified under these rules.
- (2) One copy of the plan or plans for the licensed premises signed in token of approval by the licensing authority shall be attached to the licence which shall form part of such licence, and an identical copy shall be filed for record in the office of the licensing authority.

34. Prior approval of specifications and plans of premises proposed to be licensed.—

- (1) Every person desiring to obtain a licence to import and store carbide in Form II, Form III or Form IV, as the case may be, shall submit to the licensing authority an application along with—
 - (a) Specification and plans drawn to scale in duplicate clearly indicating—
 - (i) the manner in which the provisions prescribed under these rules shall be complied with;
 - (ii) the premises proposed to be licensed, the area of which shall be distinctly or otherwise marked;
 - (iii) the surrounding and all premises, roads etc. lying within 50 metres of the edge of the shed which is proposed to be licensed;
 - (iv) the position, details of construction and ground and elevation views of storage shed.
 - (b) a scrutiny fee of Rs. 10 paid in the manner specified in rule 46.

- (2) If the licensing authority after scrutiny of the specification and plans and after making such enquiries as he deems fit, is satisfied that carbide may be stored in the premises proposed to be licensed, he shall return to the applicant one copy each of the specifications and plans signed by him conveying his sanction subject to such conditions as he may specify.

35. Prior approval necessary for alteration in the licensed premises.—

- (1) No alteration shall be carried out in the licensed premises until a drawing or drawings showing such alteration has been approved in writing by the licensing authority.

- (2) A person wishing to carry out any alteration in the licensed premises shall submit to the licensing authority.

- (a) three copies of a properly drawn plan of the licensed premises showing in distinct colour or colours the proposed alterations and the reasons therefor.

- (b) a fee of Rs. 10 for scrutiny of the proposed alteration.

(3) If the licensing authority, after scrutiny of the plan showing the proposed alteration and after making such enquiries as he deems fit, is satisfied that the proposed alteration may be carried out, he shall return to the licensee one copy of the plan signed by him and conveying his sanction subject to such conditions as he may specify.

(4) The holder of the licence shall apply to the licensing authority for the amendment of the licence as soon as the sanction for alteration has been carried out.

36. Amendment of licence.—

(1) Any licence granted under these rules may be amended by the authority empowered to grant such a licence.

(2) The fee for amendment of the licence shall be Rs. 10 plus the amount, if any, by which the fee that would have been payable if the licence had originally been issued in the amended form exceeds the fee originally paid by the licensee.

(3) The licensee who desires to have his licence amended shall submit to the licensing authority :—

- (i) an application duly filled in and signed in Form I;

- (ii) the licence sought to be amended together with the approved plan attached to it;

- (iii) where any alteration in the licensed premises has been carried out, three copies of the properly drawn plans showing the alterations sanctioned under rule 35 by the licensing authority;

- (iv) fee for amendment of the licence as specified in sub-rule (2).

37. Renewal of licence.—

(1) The licencee may be renewed by the licensing authority empowered to grant such a licence :

Provided that a licence which has been granted by the Chief Controller may be renewed without alteration by the Controller of Explosives duly authorised by the Chief Controller.

(2) Every licence granted under these rules shall be renewable for three calendar years where there has been no contravention of the Act or of the rules framed thereunder or of any condition of the licence so renewed.

(3) Where a licence which has been renewed for more than one year is surrendered before its expiry, the renewal fee paid for the unexpired portion of the licence shall be refunded to the licensee provided that no refund of renewal fee shall be made for any calendar year during which—

- (a) the licensing authority receives the renewed licence for surrender, or
- (b) any carbide is received or stored on the authority of the licence.

(4) Every application under sub-rule (2) shall be made in Form I and shall be accompanied by the licence which is to be renewed together with approved plans attached to the licence and the renewal fee.

(5) Every application for the renewal of the licence shall be made so as to reach the licensing authority at least 30 days before the date on which it expires, and if the application is so made, the licence shall be deemed to be in force until such date as the licensing authority renews the licence or until an intimation that the renewal of the licence is refused has been communicated to the applicant.

(6) Where the renewal of the licence is refused, fee paid for the renewal shall be refunded to the licensee after deducting therefrom the proportionate fee for the period beginning from the date from which the licence was to be renewed upto the date on which renewal thereof is refused.

(7) The same fee shall be charged for the renewal of the licence for each calendar year as for the grant thereof :

Provided that :—

- (i) if the application with the accompaniments required under sub-rule (4) is not received within the time specified in sub-rule (5), the licence shall be renewed only on payment of a fee amounting to twice the fee ordinarily payable;
- (ii) if such an application with accompaniments is received by the licensing authority

after the date of expiry but not later than 30 days from the date of expiry, the licence may without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, be renewed on payment of twice the fee ordinarily payable :

Provided further than in the case of an application for the renewal of the licence for a period of more than one calendar year at a time, the fee prescribed under clause (i) or (ii) of the first proviso, if payable, shall be paid only for the first calendar year of the renewal.

38. Refusal of licence.—(1) Licensing authority refusing to grant, amend, renew or transfer the licence, shall record his reasons for such refusal in writing.

(2) A copy of the order containing the reasons for such refusal shall be given to the applicant on payment of a fee of Rs. 10

39. Suspension and cancellation of licence.—

(1) Every licence granted under these rules shall—

- (i) stand cancelled, if the licensee ceases to have any right to the site for storing carbide;
- (ii) be liable to be suspended or cancelled by an order of the licensing authority for any contravention of the Act or of any rule made thereunder or of any condition contained in such licence, or by order of the Central Government, if it is satisfied that there are sufficient grounds for doing so :

Provided that :—

- (a) before suspending or cancelling a licence under this rule, the holder of the licence shall be given an opportunity of being heard;
- (b) the maximum period of suspension shall not exceed three months; and
- (c) the suspension of a licence shall not debar the holder of the licence from applying for its renewal in accordance with the provisions of rule 37.

(2) Notwithstanding anything in sub-rule (1), an opportunity of being heard may not be given to the holder of a licence before his licence is suspended or cancelled in cases—

- (a) where the licence is suspended by a licensing authority as an interim measure for violation of any of the provisions of the Act or these rules, or of any conditions contained in such licence and in his opinion such violation is likely to cause imminent danger to the public :

Provided that where a licence is so suspended, the licensing authority shall give

the holder of the licence an opportunity of being heard before the order of suspension is confirmed; or

- (b) where the licence is suspended or cancelled by the Central Government, if the Government considers that in public interest or in the interest of the security of the State such opportunity should not be given.

(3) A licensing authority or the Central Government suspending or cancelling a licence under sub-rule (1) shall record its reasons for so doing in writing.

40. Procedure on expiration, suspension or cancellation of licence.—(1) A person licensed to store carbide shall, on the expiration, suspension or cancellation of his licence, forthwith give notice to the District Authority of the quantity of carbide in his possession and shall comply with any directions which the District Authority may, on the recommendation of the Chief Controller, give in regard to its disposal.

(2) The District Authority may grant for a term not exceeding three months from the date of expiration, suspension or cancellation, as the case may be, a temporary licence for the storage of carbide actually held at the time of the issue of the temporary licence :

Provided that :—

- (a) where the expired, suspended or cancelled licence was granted by an authority, other than the District Authority, no temporary licence shall be granted without previous consent of such other authority;
- (b) the fee chargeable on a licence granted under sub-rule (2) shall bear the same proportion to the fee charged on the expired or cancelled or suspended licence as the period covered by the temporary licence bears to a full year.

41. Appeals.—(1) An appeal shall lie against any order cancelling or refusing to grant, amend or renew a licence or cancelling or suspending a licence to—

- (i) the Central Government, where an order is passed by the Chief Controller;
- (ii) the Chief Controller, if the order is passed by the Controller of explosives;
- (iii) the Secretary, Commerce and Industries Department, West Bengal, if the order is passed by the District Authority in any State other than the State of West Bengal.
- (iv) the immediate official superior to the District Authority, if the order is passed by the District Authority in any State other than the State of West Bengal.

(2) Every appeal shall be in writing and shall be accompanied by a copy of the order appealed against and shall be presented within 60 days of the order passed, if referred to the Central Government and within 30 days, in all other cases.

42. Transfer of licence.—(1) The holder of a licence may at any time before the expiry of the licence, apply to the licensing authority to transfer the licence to another person.

(2) Every application for the transfer of a licence shall be accompanied by—

- (i) a letter signed by the holder of the licence indicating the full name and postal address of the person to whom he wishes to transfer the licence and complete possession of the licensed premises;
- (ii) the licence sought to be transferred together with approved plan or plans attached to it;
- (iii) an application in Form I duly filled in and signed by person to whom the licence is sought to be transferred ;
- (iv) a fee of Rs. 10 paid in the manner specified in rule 46.

(3) The licensing authority on receipt of the documents and fee required under sub-rule (2) shall, if he approves the transfer, enter upon the licence, under his signature, an endorsement to the effect that licence has been transferred to the person so named.

(4) The person to whom the licence is so transferred shall enjoy the same powers and be subject to the same obligations under the licence as the original licensee.

43. Procedure on death or disability of licensee.—(1) If a licensee dies or becomes insolvent or mentally incapable or is otherwise disabled, the person carrying on the business of such licensee shall not be liable to any penalty or confiscation under the Act or these rules for exercising the powers granted to the licensee during such time as may reasonably be required to allow him to make an application for a new licence in his own name for the unexpired portion of the original licence in respect of the year in which the licensee dies or becomes insolvent or mentally incapable or is otherwise disabled :

Provided that nothing in this sub-rule shall be deemed to authorise the exercise of any power under this sub-rule by any person after the expiry of the period of the licence.

(2) A fee of Rs. 10 shall be charged for a new licence for the unexpired portion of the original licence granted to any person applying for it under this rule.

44. Loss of licence.—Where a licence granted under these rules is defaced, lost, destroyed or otherwise rendered useless, a duplicate may be granted on submission of a copy of the plan or plans identical with those attached to the licence and on payment of a fee of Rs. 10.

45. Production of licence on demand.—(1) Every person holding or acting under a licence granted under these rules shall produce it, or an authenticated copy of it, at the place to which the licence applies, when called upon to do so by any Inspector.

(2) Copies of any licence may, for the purpose of this rule, be authenticated by the authority which granted the licence on payment of a fee of Rs. 10 for each authenticated copy.

46. Payment of fees.—All fees payable under these rules shall be paid in the following manner—

(1) Fees by crossed demand draft payable at Nagpur on any Nationalised Bank drawn in favour of an officer nominated by the Chief Controller of Explosives in the Department of Explosives, Nagpur, and in cases where amount payable does not exceed Rs. 100 the payment may be made by cash, postal order or cheque drawn on any local Nationalised bank.

(2) Fees payable to the Controller of Explosives shall be paid by a crossed demand draft on any Nationalised bank drawn in favour of the Controller of Explosives to whom the payment is made, payable at the Station where his office is located and in cases where the amount payable does not exceed Rs. 100, the payment may be made by cash, postal order or cheque drawn on any local nationalised bank.

47. Procedure on reports of infringement.—The District Authority shall inform the Controller of Explosives and the Chief Controller of the action taken by him on any reports of infringements of the Act or of these rules which the said Controller of Explosives or the Chief Controller may make to him.

48. Executive control over authorities.—Every authority other than the Central Government acting under this Chapter shall perform its duties subject to the control of the Central Government:

Provided that nothing in this rule shall be deemed to affect the powers of executive control of the

Chief Controller over the Officers subordinate to him.

CHAPTER VII

NOTICE OF ACCIDENTS

49. Notice of accident.—(1) The notice of an accident under section 27 of the Act shall be given forthwith :

- (a) in case of the notice given to the Chief Controller by an Express telegram (Telegraphic Address : EXPLOSIVES, NAGPUR) followed within 24 hours by a letter giving particulars of the accident; and
- (b) by a quickest means of communication to the nearest Magistrate or to the officer-in-charge of the Police Station having jurisdiction.

(2) Pending the visit of the Chief Controller or his representative or until instructions are received from these authorities that he does not wish any further investigation or inquiry to be made, all wreckage and debris shall be left untouched except in so far as its removal may be necessary for the rescue of persons injured and recovery of the bodies of any persons killed by the accident or in the case of railways, for the restoration of through communication.

CHAPTER VIII

EXEMPTION

50. Repeal and savings.—(1) Carbide of calcium Rules, 1937, are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal—

- (i) All licenses or duplicates granted or renewed under the said rules and all fees imposed or levied shall be deemed to have been granted, renewed, imposed or levied, as the case may be, under the corresponding provisions of these rules.
- (ii) All approvals given and all powers conferred by or under any notification or rule shall, so far as they are consistent with the provisions of the Act and these rules, be deemed to have been given or conferred by or under these rules.

[No. 2(21) 75-DPR EGG]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.

